सावधान..1300 प्रतिशत बढ़ गया है सायबर क्राइम : कपूर

डाक्टर्स को दिए इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के टिप्स

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

इंटरनेट के प्रयोग के साथ ही सायबर क्राइम भी तेजी से बढ़ रहा है। पिछले पांच सालों में 1300 प्रतिशत तक सायबर क्राइम के मामले बढ़े हैं। इनसे बचने के लिए अलर्ट रहना बेहद जरुरी है। वर्तमान में सायबर का प्रयोग बेहद जरुरी हो गया है। डाक्टर्स के लिए भी ये काफी उपयोगी सिद्ध होता है, उन्हें तो सायबर क्राइम से बचने के लिए सबसे ज्यादा सतर्क रहना चाहिए।

उक्त बातें एडीजी नारकोटिक्स, वरुण कपूर ने संबोधित करते हुए कही। वे इन्डेक्स मेडीकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर में आयोजित फर्स्ट नेशनल कांफ्रेंस ऑफ मेडीको लीगल एक्सपर्ट में सहयोग अभियान की 202 वीं कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इसमें 654 डाक्टर्स ने भाग लिया। कपूर ने सायबर वर्ल्ड में हो रहे अपराधों की जानकारी देते हुए उनके सुरक्षित उपयोग के बारे में बताया । उन्होंने कहा बैंकिंग फ्राड, एटीएम फ्राड व अन्य प्रलोभन देकर जो आधुनिक अपराध घटित हो रहे है, उनसे बचने के लिए सदैव अलर्ट रहें। सोशल नेटवर्किंग का सुरक्षित उपयोग करें सोशल नेटवर्किंग पर पर्सनल जानकारी कम से कम शेयर करें। एडीजी ने स्पूफ्ड मेल, डाटा फुटप्रिंट, फिशिंग अटैक, आईडेन्टिटी थेप्ट, डाटा थेप्ट, सायबर स्टॉकिंग, जियो टेगिंग इत्यादि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि विगत पांच वर्षों में 1300 प्रतिशत सायबर क्राइम में बढ़ोतरी हुई है। सायबर जगत में हो रहे अपराधों से बचने के लिए सबसे बड़ा हथियार सतर्कता है। इंटरनेट का प्रयोग करने में अलर्ट रहेंगे तो कभी भी सायबर क्राइम का शिकार नहीं हो सकते हैं। उन्होंने इन्फारमेशन टेक्नालॉजी(आईटी) एक्ट की विभिन्न धाराओं के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सायबर क्राइम एवं सायबर वर्ल्ड में विभिन्न प्रकार के अपराधों की जानकारी होने से इनसे सुरक्षित रहा जा सकता है।

डाक्टरों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर भी कपूर ने देकर समस्याओं का समाधान किया । संस्थान की ओर से कपूर को प्रशंसा पत्र डाक्टर सीमा सुते एवं डाक्टर चित्रा खिरवड़कर ने दिया। संस्थान के डीन डाक्टर एमआर कुनाल एवं मालवांचल यूनीवर्सिटी के कुलसचिव एनके त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डीएसपी सुभाष सिंह एवं स्टाफ का भी सहयोग सराहनीय रहा।